Roll No. .....
Signature of Invigilator ……

Paper Code
MD-402

पतंजलि विश्वविद्यालय

University of Patanjali

Examination May – 2018

M. A. Philosophy (Semester: Fourth)

Philosophy

न्याय – वैशेषिक – 4

Time: 3 Hours **Max. Marks: 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो तीन (03) खंडों अ, ब, तथा स में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड–अ
(दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'अ' में पांच (05) दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न दिए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पंद्रह अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(3×15=45)**

1. न्याय दर्शनानुसार दोषों की परिभाषा करते हुए बताये कि दोष कितने प्रकार के हैं? हमारे जीवन में इनकी क्या भूमिका है तथा इन्हें कैसे हटाया जा सकता है?
2. पूर्वपक्षी का मानना है कि कर्म फल तो ईश्वराधीन देखा जाता है इसलिए कारण भी वही होना चाहिए। इसका उत्तर सिद्धान्ती मत से दो सूत्रों में दिया है, सप्रमाण भाष्यानुसार व्याख्या करें।
3. न्याय दर्शन को मोक्ष शास्त्र कहा जा सकता है या नहीं? यदि हाँ तो उसकी प्राप्ति के उपाय न्याय दर्शनानुसार लिखें।
4. वात्स्यायन भाष्यानुसार बुद्धि के कितने व कौन–कौन से भेद बताये गये हैं? विस्तृत व्याख्या करें।
5. वैशेषिक दर्शन के अनुसार सप्रमाण व भाष्यानुसार सुख–दुःख की विस्तृत व्याख्या करें।

खण्ड–ब
(लघु–उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ब' में छः (06) लघु–उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(4×5=20)**

1. प्रेत्यभाव क्या है? संक्षिप्त परिचय दें।
2. किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखें – हेयोपादे संज्ञा, तत्त्वज्ञान, धर्मस्कन्ध, परमाणु।
3. न्याय दर्शन में वर्णित सभी जातियों के नाम लिखें।
4. न्याय दर्शन पढ़ने से आपको क्या–क्या व्यक्तिगत लाभ व हानियाँ अनुभव में आयी ?
5. वैशेषिक दर्शन में वात्स्यायन भाष्यानुसार स्वप्न प्रकरण का विस्तृत वर्णन करें।
6. पञ्चावयव वाक्य का परिचय देते हुए कोई अपना पञ्चावयव प्रस्तुत करें।

खण्ड–स
(अतिलघु–उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'स' में पाँच (05) अतिलघु–उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए एक अंक निर्धारित हैं। इस खण्ड के **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर एक या दो पंक्तियों में लिखिए।

(5×1=05)

1. जाति व निग्रह स्थान का सामान्य लक्षण बतायें।
2. वैशेषिक दर्शन में कुल कितने सूत्र हैं तथा इस दर्शन के रचियता कौन हैं?
3. न्याय सिद्धान्त मुक्तावली के रचयिता कौन हैं?
4. कोई दो जातियाँ जो आपको सबस मूर्खतापूर्ण लगी उनके नाम लिख।
5. जाति और निग्रह स्थान में क्या अन्तर है?

----------X----------